मूल्यांकन के उद्देश्य

(Objectives of Evaluations)

मूल्यांकन प्रक्रिया के उद्देश्य निम्न लिखित है—

सामान्य उद्देश्य | विशिष्ट उद्देश्य

(1) सामान्य उद्देश्य

अर्थ शिक्षा एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है। किसी भी शिक्षण संस्था में विभिन्न विषयों की शिक्षा प्रदान की जाती है तथा सब का अपना-2 उद्देश्य होता है।

शिक्षा के सामान्य उद्देश्यों के निर्धारण में निम्न बातों पर ध्यान देना आवश्यक होता है।

1. छात्रों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक पर ध्यान
2. समाज का आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आवश्यकताओं पर ध्यान कराना
3. छात्रों की क्षमता एवं शिक्षा का स्तर।

(2) विशिष्ट उद्देश्य

दैनिक शिक्षण कार्य करते समय अध्यापक के मस्तिष्क में सदैव कुछ तात्कालिक प्राप्य उद्देश्य होते हैं। जिन्हें प्रायः कक्षा के दौरान समाप्त के समान उद्देश्य सम्पूर्ण, प्रत्यक्ष होते हैं। ये व्यावहारिकता पर आधारित होते हैं इस अल्प अवधि में इनको प्राप्त किया जा सकता है।

(3) शिक्षण बिन्दु

पाठ्यवस्तु के किसी भी प्रकरण को शिक्षण की सुविधा अनुसार छोटे-छोटे भागों में बांटा जाता है। इसे शिक्षण बिन्दु कहते हैं। इनके द्वारा विशिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त किया जाता है।

(4) अधिगम क्रियाएं

छात्रों के व्यवहार में परिवर्तन अधिगम परिस्थितियों के द्वारा लाया जाता है। अधिगम परिस्थिति + शिक्षण उद्देश्य के मिलने से छात्रों के व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(मुल्यांकन की आवश्यकता एवं महत्व
Importance or Need)

1. क्रमबद्ध प्रक्रिया (Systematic Process)
2. कौशलो मे निपुणता का मापन (शिक्षक
3. ज्ञान की वृद्धि मे सहायक
4. वैयक्तिक शिक्षा मे सहायक
5. वर्गीकरण [illegible] मे सहायक
6. मार्गदर्शन मे सहायक।
7. उपलब्धियाँ एवं असफलताओ का बोध
8. शिक्षण विधियों की उपयोगिता एवं सीमाओं का बोध। –
9. उपचारात्मक शिक्षा व्यवस्था
10. शिक्षक को अपने निष्पत्ति बोध
11. निष्कर्ष। –

(1) क्रमबद्ध प्रक्रिया

---

(5) व्यवहार परिवर्तन

व्यवहार परिवर्तन होने के बाद कुछ परीक्षणों के बाद व्यवहार परिवर्तनों को ज्ञात किया जाता है। जैसे – कुछ परीक्षण > व्यक्तिगत परीक्षण, निदानात्मक परीक्षण आदि मापक द्वारा ज्ञात करते है

(6) मूल्यांकन

अंत मे छात्रो के व्यवहार मे आये परिवर्तन को पूर्व परिवर्तन होने के बाद तुलना करके उसका मूल्यांकन करते है। जैसे मूल्यांकन माँडल है।

(7) प्रतिपुष्टि (Feedback)

मूल्यांकन प्रक्रिया को अंतिम पद परिणामों को प्रतिपुष्टि के रूप मे प्रयोग करता है। यदि वांछनीय उद्देश्य प्राप्त न हो तो उस के शिक्षण-कार्य मे सुधार किया जाता है।

(8) निष्कर्ष

इस प्रकार स्पष्ट है कि मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है जिसमें मापन पहले तथा मूल्यांकन बाद मे होता है।

Type or Kind of Evalution

मूल्यांकन के प्रकार

मिचेल स्क्रीवन (Michael Scriven) 1967

1. संरचनात्मक मूल्यांकन — Formative Evalution
2. योगात्मक मूल्यांकन — Summative Evalution
3. सतत मूल्यांकन — Continuous Evalution
4. व्यापक मूल्यांकन — Comprehensive Evalution

(1) संरचनात्मक मूल्यांकन

अर्थ! संरचनात्मक मूल्यांकन वह है जब कोई शैक्षिक योजना अपनी प्रारम्भिक या निर्माणावस्था में हो और उसका मूल्यांकन कर उसमें सुधार किया जाता हो उसे संरचनात्मक मूल्यांकन कहते हैं। किसी भी शैक्षिक योजना का मूल्यांकन जब उसकी प्रभावशीलता, गुणवत्ता तथा उपयोगिता को बढ़ाने के लिए किया जाता है वह संरचनात्मक मूल्यांकन कहलाता है। जैसे — यदि किसी शोध योजना के प्रथम प्रारूप का मूल्यांकन इस उद्देश्य से किया है कि उसे प्रस्तुत करने और उस पर क्रियान्वयन करने से पूर्व उसमें सुधार कर अधिक प्रभावशाली बनाया जाता है।

(2) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evalution)

अर्थ! योगात्मक मूल्यांकन किसी शैक्षिक कार्यक्रम को अन्तिम रूप देकर उसे जारी रखने के पश्चात उसकी सामग्री की गहनशीलता को ज्ञात करने के लिए किया जाता है जैसे — एक अध्यापक को अपने छात्रों को किसी विषय के लिए कोई एक पुस्तक बतानी है और वह उस विषय पर उपलब्ध अनेक पुस्तकों में से मूल्यांकन कर कोई एक पुस्तक उन्हें बताता है कि तो वह शिक्षक का यह मूल्यांकन योगात्मक मू० कहलाता है।

(3) सतत मूल्यांकन (Continuous Evalution)

अर्थ! 1. विद्यार्थीयों के अधिगम की प्रक्रिया को निरन्तर और बार-बार मूल्यांकन को सतत मूल्यांकन कहते हैं। अधिगम की प्रक्रिया की अवधि में सतत मूल्यांकन का अर्थ अधिगम की कमियों का नियमित परीक्षण और विश्लेषण करके

उसे सुझाया जाता है। अत इससे स्पष्ट है कि बालक क्या जानता है (ii) बालक क्या नहीं जानता है ?
(iii) बालक अधिगम परिस्थिति में कठिनाइयाँ महसूस करे
अत सतत मू० विद्यार्थियों में सुधारात्मक प्रक्रिया और शिक्षण में सुधार के माध्यम से प्रतिपुष्टि प्रदान करता है।

(B) व्यापक मूल्यांकन

अर्थ = "व्यापक मू० शैक्षिक और सह शैक्षिक (सह्गामी क्रियाओं) दोनों क्षेत्रों में विद्यार्थियों के विकास को इंगित करता है शैक्षिक क्षेत्र में विषय से सम्बन्धित छात्र की समझ और इसके की जानकारी दी जाती है। सह शैक्षिक क्षेत्र में छात्र से सम्बन्धित मनोवृत्ति, रुचि, व्यक्तिगत भिन्नता एवं सामाजिक विशेषताओं का प्रसार, रुचियाँ, मनोवृत्तियाँ तथा मूल्य शामिल है।

Classification of Evalution
मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्गीकरण

मूल्यांकन प्रक्रिया का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया गया है।

(1) स्थानन मूल्यांकन (Placemet of Evalution)

(2) संरचनात्मक मूल्यांकन (Formative Evalution)

(iii) नैदानिक मूल्यांकन (Dignostic Evalution)

(iv) योगात्मक मूल्यांकन (Summative Evalution)

मूल्यांकन के सिद्धान्त

"Principles of Eva."

मूल्यांकन प्रक्रिया के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन —

1. उपकरणों का चुनाव।
2. उपकरणों का उपयोग
3. पूर्ण मूल्यांकन। — पूर्ण मू० के लिए विभिन्न विधियों का प्रयोग करना चाहिए
4. मूल्यांकन कर्ता को ज्ञान — मूल्यांकन कर्ता को उपयोगिता का पूर्ण ज्ञान हो
5. उद्देश्य व लक्ष्यों की प्राप्ति — मूल्यांकन अंत नहीं है आदि प्रायः उद्देश्य
6. नैतिक मूल्य — नैतिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए मूल्यांकन में

आदि!

(Step of Eva. Process)
(मूल्यांकन प्रक्रिया के चरण)

1 — (Identifying and defining objectives
उद्देश्य का निर्धारण एवं परिभाषिकरण

2. अधिगम अनुभव की योजना बनाना (Planning the learning experience)

3. विभिन्न उपकरणों के माध्यम से साक्ष्य प्रदान करना (Providing evidence through various tools of Eva.)

4. व्यवहार परिवर्तन के क्षेत्र (Area of change in behaviour)

तीन क्षेत्र — (1) ज्ञानात्मक क्षेत्र
(2) भावात्मक क्षेत्र
(3) क्रियात्मक क्षेत्र

Scanned with CamScanner

(मापन व मूल्यांकन में अन्तर)

मापन	मूल्यांकन
1 - मापन	1 - गुणों की व्याख्या
2 - संख्यात्मक विवरण	2 - गुणात्मक विवरण
3 - केवल मात्रात्मक	3 - मात्रात्मक व गुणात्मक
4 - सीमित क्षेत्र	4 - व्यापक क्षेत्र
5 - संकीर्ण माप	5 - सर्वांगीण क्षेत्र (व्यापक)
6 - कम समय, धन, श्रम लगता है	6 - अधिक समय, धन, श्रम लगता है
7 - पाठ्यवस्तु केन्द्रित	7 - उद्देश्य केन्द्रित
8 - भविष्यवाणी सम्भव नहीं	8 - भविष्यवाणी सम्भव
9 - छोटी प्रक्रिया	9 - बड़ी प्रक्रिया व्यापक प्रक्रिया
10 - अंकों पर आधारित	10 - गुणों पर आधारित
11 - अंकन संभव	11 - अंकन सम्भव नहीं
12 - गणितीय संक्रियाएं सम्भव	12 - गणितीय संक्रियाएं नहीं की जा सकती है
13 - स्तर - नामित, क्रमित, अंतरित, अनुपातिक (चार पद)	13 - स्तर - शैक्षिक उद्देश्य, प्रावधान, परीक्षण, प्रमाण परिस्थितियां (6)
14 - मापन = अंकन	14 मूल्यांकन = मूल्यों का अंकन
15 - अंक निर्धारण की प्रक्रिया	15 मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया
16 - मापन, मूल्यांकन का एक अंग मात्र है	16 मूल्यांकन एक व्यापक प्रक्रिया है
17 - कितना का उत्तर	17 क्या का उत्तर
18 Measurement	18 Evaluation
19 - लिखित प्रकार नहीं, मौखिक, मानसिक माप	19 लिखित, मौखिक, साक्षात्कार आदि
20 मापन का अर्थ वस्तु की मात्रा से है	20 मूल्यांकन का अर्थ वस्तु के मूल्य से है
21 मापन में सार्थक भविष्यवाणी सम्भव नहीं है	मूल्यांकन में सार्थक भविष्यवाणी सम्भव है
22 मापन का ज्ञान अपूर्ण है	मूल्यांकन का ज्ञान पूर्ण है
23 मापन मूल्यांकन से पहले होता है	23 मूल्यांकन मापन के बाद होता है
24 मापन के लिए उद्देश्य होना आवश्यक नहीं होता	24 मूल्यांकन उद्देश्य आधारित होता है

Scanned with CamScanner